

4/25

पत्रागली प्रस्तुत हुई। वहील आवी उचुं।
 व्वागतये द्वाप बार-बार, रन्त रन्त डर
 पुनारे पर न ली वनील आवी न ही
 स्वय आवी उपलगत हुई। रस खिचगी मे
 आवी का जा.पज अप्त शक्तिरी अप्त पेखी
 मे व्वागिह किमा जाला है। पत्रागली निममानुसार
 दारिद्र्य रक्तर क्षेत्र दर्ज नगल से मम
 धी। २

सुरेश राव ^{आर.ए.एस}
 उपखण्ड अधिकारी
 अनूपगढ़

